भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 2586**

05 अगस्त, 2025 को उत्तरार्थ

**विषय: ई-नाम के अंतर्गत पंजीकृत किसान**

**2586. श्री अ. मनिः**

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) तमिलनाडु राज्य में, विशेषकर धर्मापुरी निर्वाचन क्षेत्र में, राष्ट्रीय कृषि बाज़ार (ई-नाम) प्लेटफ़ॉर्म पर मौजूदा पंजीकृत किसानों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) तमिलनाडु में, धर्मापुरी जिले में की गई विशेष पहलों सहित, ई-नाम प्लेटफ़ॉर्म पर किसानों के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं;

(ग) क्या सरकार की तमिलनाडु में अतिरिक्त मंडियों और ज़िलों, विशेषकर धर्मापुरी जैसे कम सुविधा वाले क्षेत्रों में ई-नाम प्लेटफ़ॉर्म की सुलभता और कार्यक्षमता का विस्तार करने की कोई योजना है; और

(घ) यदि हाँ, तो तमिलनाडु, विशेषकर धर्मापुरी ज़िले में ई-नाम के साथ एकीकृत की जाने वाली प्रस्तावित नई मंडियों की संख्या सहित, ऐसी विस्तार योजनाओं का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**

**कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री (श्री रामनाथ ठाकुर)**

(क): दिनांक 30.6.2025 तक तमिलनाडु राज्य में राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई-नाम) प्लेटफ़ॉर्म पर 4,67,186 किसान पंजीकृत हैं, जिनमें धर्मापुरी जिले के 6,313 किसान शामिल हैं।

(ख): इस योजना के अंतर्गत, प्रत्येक ई-नाम मंडी के लिए प्रतिवर्ष दो प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि किसानों और अन्य स्टेकहोल्डर्स को ऑनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफ़ॉर्म के प्रभावी उपयोग के बारे में शिक्षित किया जा सके। इस प्लेटफ़ॉर्म को वेब और मोबाइल दोनों एप्लिकेशन के माध्यम से सुलभ बनाया गया है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल पहुँच बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से ट्यूटोरियल सामग्री का प्रसार किया जाता है। इस योजना के शुरू होने के बाद से, दिनांक 30 जून 2025 तक तमिलनाडु में 2,132 जागरूकता सत्र आयोजित किए गए हैं, जिनमें 1,73,157 किसानों को प्रशिक्षण दिया गया है, जिसमें धर्मापुरी जिले में आयोजित 71 जागरूकता सत्र शामिल हैं, जिनमें 6,717 किसानों को ई- नाम मंच पर पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित करने के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

(ग) एवं (घ): ई-नाम पोर्टल पर मंडियों को शामिल करना राज्य सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों पर निर्भर करता है। तमिलनाडु की 213 मंडियों को अब तक ई-नाम प्लेटफॉर्म पर शामिल किया जा चुका है।

*****